

अनुक्रमांक \_\_\_\_\_  
नाम \_\_\_\_\_

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

901

801 (DG)

2023

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे 15 मिनट]

[पूर्णांक- 70

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' एवं 'ब' में विभाजित है।
- (iii) खण्ड अ में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
- (iv) खण्ड अ में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है।
- (v) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं।

खण्ड- अ

बहुविकल्पीय प्रश्न :

1. रस मीमांसा के लेखक हैं : 1
  - (A) महादेवी वर्मा
  - (B) रामचन्द्र शुक्ल
  - (C) 'निराला'
  - (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. तितली कृति की विधा है : 1
  - (A) कहानी
  - (B) जीवनी
  - (C) उपन्यास
  - (D) नाटक
3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद लेखक हैं: 1
  - (A) गाँधी की देन के
  - (B) हिन्दी साहित्य का इतिहास के
  - (C) इन्द्रजाल के
  - (D) हिन्दी साहित्य विमर्श के

4. साहित्य और कला रचना है। 1  
 (A) पदुमलाल पुन्नलाल बख्शी की (B) सुमित्रानन्दन पन्त की  
 (C) भगवतशरण उपाध्याय की (D) जयप्रकाश भारती की
5. शुक्लोत्तर-युग के लेखक हैं- 1  
 (A) राधाचरण गोस्वामी (B) चतुरसेन शास्त्री  
 (C) दौलतराम (D) धर्मवीर भारती
6. रीतिकालीन कवि हैं : 1  
 (A) केदार भट्ट (B) जायसी  
 (C) पद्माकर (D) कृष्णदास
7. छत्रसाल दशक के रचयिता हैं : 1  
 (A) मतिराम (B) भूषण  
 (C) घनानन्द (D) हरिऔध
8. तारसप्तक के सम्पादक हैं: 1  
 (A) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (B) नरेन्द्र शर्मा  
 (C) भवानीप्रसाद मिश्र (D) केशव
9. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है : 1  
 (A) ज्ञानदीप (B) युगवाणी  
 (C) प्रेमवाटिका (D) क्षणदा
10. स्मृति की रेखाएँ साहित्य की विधा है। 1  
 (A) जीवनी (B) भेंटवार्ता  
 (C) संस्मरण (D) नाटक
11. करुण रस का स्थायी भाव है : 1  
 (A) भय (B) निर्वेद  
 (C) विस्मय (D) शोक
12. 'पीपर पात सरिस मन डोला' में अलंकार है : 1

- (A) उत्प्रेक्षा (B) रूपक  
(C) उपमा (D) यमक
13. सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे। 1  
बिसरे करुना ऐन, चितइ जानकी लखन तनु।  
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है :  
(A) रोला (B) सोरठा  
(C) सवैया (D) कुण्डलिया
14. अनुचर शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है : 1  
(A) अन (B) अनु  
(C) अ (D) आ
15. प्रत्यय के प्रकार हैं : 1  
(A) दो (B) चार  
(C) पाँच (D) तीन
16. वेद-पुराण में समास है ? 1  
(A) द्विगु (B) बहुब्रीहि  
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष
17. परमोद शब्द का तत्सम रूप है : 1  
(A) दीर्घ सन्धि प्रमोद (B) प्रमुद  
(C) प्रमोद (D) प्रमाद
18. इत्यादि में संधि है : 1  
(A) यण् सन्धि (B) गुण सन्धि  
(C) वृद्धि सन्धि (D) जश्त्व सन्धि
19. फलेन शब्द का वचन एवं विभक्ति है : 1  
(A) द्विवचन, चतुर्थी विभक्ति (B) एकवचन, पञ्चमी विभक्ति  
(C) बहुवचन, षष्ठी विभक्ति (D) एकवचन, तृतीया विभक्ति

20. अपठम्' धातु का वचन एवं पुरुष है :

1

(A) द्विवचन, उत्तम पुरुष

(B) एकवचन, प्रथम पुरुष

(C) बहुवचन, मध्यम पुरुष

(D) एकवचन, उत्तम पुरुष

### खण्ड- ख

#### वर्णनात्मक प्रश्न :

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×2=6

मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार का कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों। इसी प्रकार प्रकृति और आचरण की समानता भी आवश्यक या वांछनीय नहीं है। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है। राम धीर और शान्त प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्धत स्वभाव के थे दोनों भाइयों में अत्यन्त प्रगाढ़ स्नेह था। उदार तथा उच्चाशय कर्ण और लोभी दुर्योधन के स्वभावों में कुछ विशेष समानता न थी, पर उन दोनों की मित्रता खूब निभी।

- (i) प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) राम और लक्ष्मण के स्वभाव में क्या अंतर है ?

### अथवा

अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। इतने प्राचीन काल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंख्यक कथा - प्राण चित्र कहीं नहीं बने। अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया। उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पश्चिमी एशिया भी उसके कल्याणकर प्रभाव से वंचित न रह सका

- (i) प्रस्तुत अवतरण का शीर्षक लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
- (iii) हमारे नैतिक सिद्धांतों में किस चीज को प्रमुख स्थान दिया गया है ?

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×2=6

निरगुन कौन देस कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौंह दै, बूझति साँच न हाँसी ॥

को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?

कैसे बरन, भेष है कैसौ, किहि रस मैं अभिलाषी ?

पावैगी पुनि कियौ आपनौ, जौ रे करैगौ गाँसी।

सुनत मौन है रह्यौ बावरी, सूर सबै मति नासी ॥

- उपयुक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- उपयुक्त निर्गुण ब्रह्म के वर्णन में क्या कठिनाई व्यक्त की है ?

**अथवा**

अहिंसा चींटी को देखा ?

वह सरल, विरल, काली रेखा।

तम के तागे-सी जो हिल-डुल

चलती लघु पद पल-पल मिल-जुल

वह है पिपीलिका पाँति।

देखो ना, किस भाँति

काम करती वह सतत !

कन-कन कनके चुनती अविरत !

- उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- कवि 'वह है पिपीलिका पाँति' के द्वारा जीवन के किस आदर्श के प्रति संकेत करता है।

3. निम्न संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए 2+3=5

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिताः। अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

### अथवा

आम् ! राष्ट्रद्रोहः ! यवनराज ! एकम् इदं भारतं राष्ट्रं, बहूनि चात्र राज्यानि, बहवश्च शासकाः । त्वं मैत्रीसन्धिना तान् विभज्य भारतं जेतुम् इच्छसि । आम्भीकः चास्य प्रत्यक्षं प्रमाणम् ।

4. निम्न संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए 2+3=5  
 अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।  
 अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ॥

### अथवा

धान्यानामुत्तमं किंस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम् ।  
 लाभानामुत्तमं किंस्यात् सुखानां स्यात् किमुत्तमम् ॥

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 1×3=3
- (क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।  
 (ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
- (ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।  
 (ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ग) (i) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।  
 (ii) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
 (ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
- (ङ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए ।  
 (ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
- (च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
 (ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

- (छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।  
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ज) (i) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।  
(ii) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (झ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
- (ञ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
- (ट) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
- (ठ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'मातृभूमि के लिए' के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
- (ड) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।
- (ढ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।  
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।
6. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए: 3+2=5
- (i) जयशंकर प्रसाद  
(ii) डा० राजेन्द्र प्रसाद  
(iii) भगवतशरण उपाध्याय

6. (ख) दिए गए लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए: 3+2=5
- (i) तुलसीदास
  - (ii) महादेवी वर्मा
  - (iii) रामनरेश त्रिपाठी
7. अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2
8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2+2=4
- (i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?
  - (ii) विश्वस्य स्रष्टा कः ?
  - (iii) आतुरस्य मित्रं कः भवति ?
  - (iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?
9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 9
- (i) स्वच्छ भारत अभियान
  - (ii) विज्ञान वरदान या अभिशाप
  - (iii) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान
  - (iv) जनसंख्या वृद्धि की समस्या और समाधान
  - (v) विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्त्व



## [Up Board Hindi Paper 2023 801 (DG) Solution]

### ◆ Objective Answer Key

Q.N	Ans	Q.N	Ans	Q.N	Ans	Q.N	Ans
1	B	6	C	11	D	16	C
2	C	7	B	12	C	17	C
3	A	8	A	13	B	18	✗
4	C	9	B	14	B	19	✗
5	D	10	C	15	✗	20	✗

**नोट** - जिन प्रश्नों पर 'कट' का निशान लगाया गया है, वो इस साल के सिलेबस से हट गए हैं।

### खण्ड - ख प्रश्नोत्तर संख्या - 1

- सन्दर्भ** - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिंदी के 'मित्रता' नामक पाठ से लिया गया है जिसके लेखक 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल' हैं।
- रेखांकित अंश की व्याख्या** - निम्न रेखांकित अंशों के माध्यम से लेखक हमें यह बताना चाहते हैं, कि मित्रता केवल उन दो लोगों के बीच ही हो सकती है, जो एक ही प्रकार के कार्य करते हों या एक ही रुचि रखते हों ऐसा आवश्यक नहीं है। अलग-अलग प्रकार के कार्य करने वाले और अलग-अलग प्रकार के रुचि रखने वाले व्यक्तियों के बीच भी मित्रता हो सकती है।
- राम का स्वाभाव धैर्यशाली और शांत था। परन्तु वही लक्ष्मण काफी उत्तेजित स्वाभाव के व्यक्ति थे।

### प्रश्नोत्तर संख्या - 1 (अथवा वाला)

- (i) प्रस्तुत अवतरण का शीर्षक 'अजन्ता' है, जिसके लेखक 'भगवतशरण उपाध्याय' है।
- (ii) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से लेखक भगवतशरण उपाध्याय बताते हैं कि— अजन्ता की महान चित्रकला पुरे संसार में अपना एक विशेष स्थान रखती है। इसमें स्थित प्राचीन बहुसंख्यक कथाएँ तथा चित्र जो सदैव सजीव प्रतीत होते हैं अजन्ता के आलावा पुरे विश्व में कहीं भी नहीं बने हैं। अजन्ता की चित्रकला भारत ही नहीं बल्कि विदेशों की चित्रकला को भी प्रभावित की है, इसका प्रभाव पूर्व के देशों पर तो पड़ा ही है साथ ही इसके कल्याणकारी प्रभाव से मध्य-पश्चिमी एशियाई देश भी वंचित नहीं हैं।
- (iii) Gg

### प्रश्नोत्तर संख्या – 2

- (i) उपयुक्त पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिंदी के 'पद' नामक पाठ से लिया गया है। जिसके रचयिता 'सूरदास' हैं।
- (ii) क
- (iii) ह

### प्रश्नोत्तर संख्या - 2 (अथवा वाला)

- (i) उपयुक्त पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिंदी के 'चींटी' नामक पाठ से लिया गया है। जिसकी रचयिता 'महादेवी वर्मा' हैं।
- (ii) ह
- (iii) क

### प्रश्नोत्तर संख्या - 3

**सन्दर्भ** - प्रस्तुत संस्कृत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिन्दी के संस्कृत खण्ड के 'वाराणसी' नमक पाठ से उद्धृत है।

**हिन्दी अनुवाद-** d

### प्रश्नोत्तर संख्या - 3 (अथवा वाला)

**सन्दर्भ** - प्रस्तुत संस्कृत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिन्दी के संस्कृत खण्ड के 'देशभक्त चन्द्रशेकरः' नमक पाठ से उद्धृत है।

**हिन्दी अनुवाद-** d

### प्रश्नोत्तर संख्या - 4

**सन्दर्भ** - प्रस्तुत संस्कृत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिन्दी के संस्कृत खण्ड के 'वाराणसी' नमक पाठ से उद्धृत है।

**हिन्दी अनुवाद-** d

### प्रश्नोत्तर संख्या - 4 (अथवा वाला)

**सन्दर्भ** - प्रस्तुत संस्कृत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिन्दी के संस्कृत खण्ड के 'देशभक्त चन्द्रशेकरः' नमक पाठ से उद्धृत है।

**हिन्दी अनुवाद-** d

### प्रश्नोत्तर संख्या - 5 (च)

**नोट-1** खण्डकाव्य सम्बंधित प्रश्न हर जिले का अलग अलग होता है, प्रश्नोत्तर संख्या- 5 में दिए गए खण्डकाव्य में आप अपने जिले से सम्बंधित खण्डकाव्य के प्रश्न का ही उत्तर दे।

**नोट-2** सभी जिलों के खण्डकाव्य का pdf आपको पहले ही उपलब्ध करा दिया गया है, वहां से आप अपने जिले से सम्बंधित खण्डकाव्य तैयार कर लें। यहाँ केवल कर्ण खण्डकाव्य से सम्बंधित प्रश्न का उत्तर दिया गया है, जिससे आपको पता चल जाए की खण्डकाव्य के प्रश्न का उत्तर कैसे देना है।

## (ii) प्रथम सर्ग (रंगशाला में कर्ण)

कुन्ती को सूर्य के वरदान से कौमार्यावस्था में ही एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लोकलाज के भय तथा कुल की मर्यादा के कारण कुन्ती ने उस पुत्र को नदी में बहा दिया। अधिरथ नाम के एक सूत ने उस पुत्र को नदी से निकाला और घर ले गया। अधिरथ की पत्नी राधा ने बड़े प्रेमपूर्वक उसका पालन-पोषण किया। राधा द्वारा पालन-पोषण किये जाने के कारण उसका नाम राधेय पड़ा। कुछ बड़ा होने पर एक दिन वह बालक राजभवन की रंगशाला में आ गया, परन्तु पाण्डवों ने उसकी वीरता पर व्यंग्य किया। दुर्योधन ने इसके विपरीत उसे बड़ा सम्मान दिया और कहा कि जो तुम्हें सूत-पुत्र कहेगा मैं उसको नीचा अवश्य दिखाऊँगा। दुर्योधन के द्वारा इस प्रकार कहने से उसे बड़ी सान्त्वना मिली और दुर्योधन का परम मित्र बन गया। पाण्डवों के सामने कर्ण को और भी कई स्थानों पर नीचा देखना पड़ा। द्रौपदी के स्वयंवर में जब वह लक्ष्यभेद करने को उठा तो द्रौपदी ने भी उसे अपमानित करते हुए इस प्रकार कहा-

**सूत पुत्र के साथ न मेरा गठबन्धन हो सकता।  
क्षत्राणी का प्रेम न अपने गौरव को खो सकता ॥**

प्रश्नोत्तर संख्या - 6 (क)

## (ii) जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय -

बहुमुखी प्रतिभा के धनी जयशंकर प्रसाद का जन्म 1889 ई० में उत्तर प्रदेश के काशी में हुआ था। इनके पिता का नाम देवीप्रसाद था, जो स्वयं एक साहित्य प्रेमी थे इस प्रकार प्रसाद जी को जन्म से ही साहित्यिक वातावरण प्राप्त हुआ। प्रसाद जी ने 9 वर्ष की अवस्था में ही एक कविता की रचना की, जिसे पढ़कर उनके पिता उन्हें महान कवि बनने का आशीर्वाद दिए। कुछ समय बाद उनके पिता की मृत्यु हो गई। पिता की मृत्यु के बाद इनकी शिक्षा-दिक्षा का प्रबन्ध इनके बड़े भाई ने किया। सर्वप्रथम इनका नाम 'क्वींस कॉलेज' में लिखाया गया किंतु वहां इनका मन नहीं लगा इसलिए वे विद्यालय छोड़ दिए। और घर पर ही योग्य शिक्षकों से अंग्रेजी तथा संस्कृत आदि विषयों का अध्ययन किया। जब ये मात्र 17 वर्ष के थे तभी इनके बड़े भाई की भी मृत्यु हो गई इन्होंने तीन शादियाँ की किंतु तीनों ही पत्नियों की असमय मृत्यु हो गई इसी बीच इनके छोटे भाई की भी मृत्यु हो गई, इन सभी असामयिक मौतों से वे अंदर ही अंदर टूट गए और इस प्रकार छय रोग से पीड़ित होने के कारण सन् 1937 ई० में इनका निधन हो गया।

‘ध्रुवस्वामिनी’ इनकी एक प्रमुख रचना है।

**लेखक का संक्षिप्त परिचय -**

जन्म - सन् 1889 ई० में  
जन्म स्थान - काशी, उ० प्र०  
पिता - देवीप्रसाद  
मृत्यु - 1937 ई०

प्रश्नोत्तर संख्या - 6 (ख)

(iii) महादेवी वर्मा का जीवन परिचय -

बहुमुखी प्रतिभा के

लेखक का संक्षिप्त परिचय -

जन्म - सन् 1889 ई० में

जन्म स्थान - काशी, उ० प्र०

पिता - देवीप्रसाद

मृत्यु - 1937 ई०

प्रश्नोत्तर संख्या - 7

बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः ।

उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता ॥

प्रश्नोत्तर संख्या - 8

- (i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?
- (ii) विश्वस्य स्रष्टा कः
- (iii) आतुरस्य मित्रं कः भवति
- (iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम स्वन्त्रतः अकथयत् ?

प्रश्नोत्तर संख्या - 8

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान

रूपरेखा-

1. प्रस्तावना,

2. उपसंहार
3. उपसंहार
4. उपसंहार
5. उपसंहार
6. उपसंहार

1. **प्रस्तावना-** राम बहुमुखी प्रतिभा के धनी जयशंकर प्रसाद का जन्म 1889 ई० में उत्तर प्रदेश के काशी में हुआ था। इनके पिता का नाम देवीप्रसाद था, जो स्वयं